11

[illegible]

[illegible] श्रीपरमा ॥ अथ [illegible]
[illegible] ॥ अथ [illegible]
[illegible] ॥
[illegible]
अस्य श्री[illegible] ऋषिः ॥ गायत्री छ
न्दः ॥ श्री[illegible] देवता ॥
ह्रीं बीजं ॥ श्रीं शक्तिः ॥ क्लीं कीलकं ॥
श्री[illegible]
[illegible] विनियो
गः ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

नभानवरिनी ॥ भैंडँभयीभरमुखि:
कभणेञभनाञी ॥ भकाउभक्ला अक्राभभाषा
वक्रीउलाउलम्नियामिक ॥ मुञ्जिक
मैभिकभया ॥ के ना ॥
पा०: मौक्ष्मिनीञ्चणङ्ग्वीभ्रनकथिभण
क्विडः ॥ भङ्क्रिमीमयभनाविञ्ज
मानभमनयी ॥ गन्हि हैंऊनवभी ऊँ०
भिमूविउञाभभम्ञगी ॥ निवानै
नावञीमैञ्जभङीभागरवामिनी ॥ २१
मवकीमिवभाञमसवीमैरवभ
मी ॥ फिट्टश्रीमभनीमकभिङि
॥ जिम्ही: भिडिएभरमी ॥ यकलीयकले ईहुष्कीदभनी मरहिडिहि डिएभरमी
नाहूभ: ॥ विहणजमविहूमीविहणवए
भरूमी ॥ भनापामिडलापामम
हिनीमडिलेञभा ॥ उचमीभैंडि
५०

की

यत्एभात वत भुरु ॥ याङ्गि कीय
लुविहम यत्एभारैकु गरुमी ॥ नु
कुमयामिरी वङ्कुमङ्को एकमन
रुगी ॥ मी नभ्रियामीरमेङ मीना
मीरभरुमी ॥ मीरभ्रियामी रोङ
मीरमामीरभरुमी ॥ कुमपभुग
ङकुमी कुम एकुमङ्कु पिल्ली ॥ वा
गदीवीरभुचाषा ह्र वगरेदभ्रुग
जत ॥ वगदैभङ्के वामाला मभूवा
गदङ्कु पिल्ली भरुगी ॥ गग मिंद
[illegible]रुवी नभुमैङवि भ्रगिनी ॥ भ्रुन्दु
भ्रवरुयामी गग मिंडे कभरुगी ॥
वधत्एवामनकना गग युल्पग
यत ॥ गलिमनवमन्द श्री वृङ्गवा
मवभुरुमी ॥ गमभ्रियागमकील

॥
॥ त्रिमी:
गन्द्रुभ-
३ ॥

[illegible]

मडांठवमूतिण्गपिङ्गलेङ्गुरुमि
गी ॥ भपुङ्कदवकेभुभुमगवम
डुलः ॥ भेगरामपोभापी ॥ गाय
शीवमवलूठां ॥ वलुकेभुरुवुभुम
रामविगुरठीउपी ॥ भिवुकुपामभुपे
पिः विभुभुकुपिली ॥ मठुभुगोहि
गवमीभदठेववलूठः ॥ कलुठे
वठुभुभुकल्दनुगङ्गनरउकी ॥ भुल
यावलपुभुठ ॥ येतिभटनडालयः ॥
छमगीपमगीभडुरवभडुविल
निभिरी ॥ विये[illegible]भमारभुभमारा
मगिडेपिः ॥ ठभुरभुठजमिपाठ
जवाभङ्कवाभिरी ॥ ठडुकलीविभु
कलीभीकलीमभवाभिरी ॥ गीरक
लीकलगशिः कलीकमभुकलिक ॥ १५

५

ॐ स्वकलीप्रचकलीपाब्धिभाग्रायक
लिक ॥ म्भमानकलिकस्तुकली
मीलङ्ककलिक ॥ त्रीकगमेतुक
ॐ ह्रीं म्लीं म्लीमभक्तद्विनकलिक ॥ भुमी
द्विष्टमानीविक्रमेद्विधगमितु: द्वि
श्रुतिधगपूजा । द्विधएधएकैरवी ॥
द्विलेकएरनीडेडभएद्विधरभस्मी ॥ ७३
कमेश्रुगीकानकलाकल्लूकमेमभुम
मी ॥ हूतगीह्रुजगीमेवीठवनाहुवी
श्रुगी ॥ नकतगीमतुभूतविक्रएमी
लयेश्रुगी ॥ मतुचलानडलूमीकलू
॥ त्रिमूर्ति: ॥ हूष्मडुंकोंहूं ॥ पह्रजानमपह्रत्रप
राकु: दूएमपडजगी ॥ मपुजानरवीनवी
० ॥ पमाभुजनेश्रुगीय ॥ रवमीपह्रमी
यंभूसगमीमरवाजगी ॥ मस्माजगी
व

सग्नामूत्रीसंवीकेकग्रमाजगी॥ मदु
ग्रमाजगीविष्टुविष्टुपञ्जसमाजगी॥
घेडमीभचविष्टुमीभदमूीघेडमाजगी॥
भदमीघेडमीविष्टुभदकलकदीं
गी॥ वकूडगकलाडगगीडगेगुड
तिली॥ कभडगग्नूडगमडड
गगभामूघः॥ कूघेगगडूडगभद
गीलाभगखडी॥ कलकूलावक्रिएया
बूकूलासाजलाकलक॥ विकृब्रीप
विकूएलांठकूडलाकगलिगी॥ वि
कगलगापीसंवीकगली कुडिकूष
ण॥ मिडमूयाभरंतुासे मितुभकू
लपूगा॥ कुडकेगवभदाम
कुडकेगवपालिगी॥ वडकुकीगडू
भंगडु ठवमकूबिगमिगी॥ कवाजी
मवक

[illegible]

भट्टमागपुगयञ्ज ॥ भड्डमैनाकुले
मागी ॥ वपञ्ज वकुलाम्त्रिउः ॥ भडेए
उकलामसीमिवाधेरकुलवशी ॥ म
चगीसीरभन्नमीक्षीरऋविवाकिरी ॥ ०१
विउकुरिलयाशैश्रीहलिशापग
भिकै ॥ धगागिमयिउमीडमीगुग
भमूल्लकधिल्लींकेमिककेमिकीकर
किमरुकेउपवविरी ॥ उम्मिः धम्मिः
मूएमीत्रि ॥ धणिक धएकभ्रिपः
मूएवजीगछवजीगछपेपल्पेपड ॥
म्रलभामलउपाम्रमिदमालया
वदः ॥ एरकीएंटाएरकः एरः उ
धल्उमरः ॥ वम्रधियावाहरउवा
हउवाहभम्रगी ॥ वाक्रिम्त्रिरीके
रवाल्पीणीरणीरघरहुग ॥ भरनहु

ग्लौं ॐ पुं ग्लौं लम्बप्रियः ॥ ३२ भद्रग
ग्लौं हेरम्ब गं ग्लौं विघ्न गं ग्लौं सुमुखि
यः ॥ कव गं ग्लौं भक्ति गं ग्लौं भैरव
ग्लौं क याय ॥ ३५ कं लं गं ग्लौं धूम्र
ग्लौं कुं ल गं ग्लौं दन्तः सूर्यः ॥ गणप
ग्लौं गण गं ग्लौं गुल गं ग्लौं गुह्य
वी यः ॥ ३७ श्रीं गं ग्लौं पंचे गं ग्लौं वाय
गं ग्लौं भक्तलभः ॥ भग गं ग्लौं भण
गं ग्लौं ठी भ गं ग्लौं ठ ये क्लिं डौ ॥ ३६
गं ग्लौं ल यं गं ग्लौं भद गं ग्लौं कुल
॥ त्रिमूर्तिः ॥ नतिः ॥ वाभ गं ग्लौं कं गं ग्लौं द ४८
गं ग्लौं भः वि गं ग्लौं दलश्री ॥ ... गं ग्लौं ... ५
०३ ... गं ग्लौं ... गं ग्लौं मवभवः ॥ ३
॥ वड गं ग्लौं फे गं ग्लौं मप गं ग्लौं म
भभूम ॥ श्रीं क म गं ग्लौं गणेशीन
हग ग्लौं गतिप्रियः ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

ओं श्रीमहागणेशाय नमः । ओं श्रीभैर
व उवाच ॥ ओं शृणु वक्ष्यामि कवचं देवि
कवचस्य तु भवा ॥ इह लोके विद्याधीश
सिद्धं देवापर जामा ॥ १ ॥ भूलभर्भयं
मातृभयं सिद्धिपूजनकं ॥ भवेत्सदानंदं
लोके भवानां भविविसिद्धि तुभा ॥ २ ॥ पठना
स्मरणाद्देवि भवपापकरा मरभा । भवेदि
ज्ञानभयं भयं भूल विशेषभवेदनमा ॥ ३ ॥
विष्णुपादः सिवेषु विविक्षूतमहा यले
वली ॥ ब्रह्मपितु भवेद लोके विष्णुजीवा
नायकः ॥ ४ ॥ भवेदि मणिभुषाभूलदेतुर
कलिपापमसी ॥ गङ्गाकरस्थ लल्लितिः
मेषश्रीरमतुं गतः ॥ ५ ॥ श्रीगणेशकव
चस्यास्य पठनात्सुरसुरासुरा ॥ वदतेऽत्र
किं देवि कवचस्यास्य सुरासुरा ॥ ६ ॥

दूति

॥ ॥ ओं श्रीः
गणेशः
०० ॥

श्रीं गलं पातु मे ऐं नेत्रे ह्रूं पातु मे ऊर्ध्वं भग ॥१०
वान् कर्णौ पातु मे क्षौं ह्लीं भुजौ पातु मे लि
ङ्गिका ॥ ओं कण्ठं वायवी पातु मे फ्रें पातु
मे स्थिरा ॥३ ॥ गं नाभिं पातु मे कालीं वेदशाखे
पुरावतु ॥ पादौ पातु मे भगं रक्तं पातु मे भगा
वतु ॥ ह्रैं पृष्ठं पातु मे ब्लूं ह्रीं गुह्यं पातु मे वे
दी ॥ क्लैं गुदं पातु मे ह्सां ह्लौं कटिं भग
लिङ्गा ॥२ ॥ श्रीं क्रों भागी पातु मे ऊरू ह्स्रौं
लिङ्क ॥ स्वाहा गुल्फं मे वाग्वादिनी पातु मे
रसिद्धिका ॥ विभूतिं डमरु यक्षिणी यक्षि
भवलिङ्गे ॥ ऊर्ध्वं पातु मे ज्वालामालिनी
ह्रां भयी भुजा ॥ वागीशी चण्डा पातु श्री
लक्ष्मी मङ्गला वडवा ॥ ऊर्ध्वं मजिला पातु
वैखरी पञ्चानन ॥ कङ्कालिके पश्चिमे
स्कन्दमाला भवाय हामा ॥ कालिकस्त्रै

त्रिश्रीः ॥ गद्धकं ०१ ॥

[illegible]

[illegible]